

Pankaj Kumar Badal
30/01/2025, 3:30:30

(8) He who has a why to live can
bear almost any how.

अमृता के अलवादा प्रात में जल्दी यह
महिला जब 19 नाइ द्वि बी. रु. के अंदरी-
की द्वि गड़ी थी। उन्होंने उसी जीवा था
कि अच्छा जीवन जीवा था। 'कुप्र' जीवा है।
इसका समाचार द्वारा। प्रात में उसी
स्थान मापा दीखा, यह आगे बढ़ाकर फैल
लिये हो आविष्करण द्वारा तभी अपनी
आकर्षणीयता द्वि वास्तव उठ गई। उसे उत्तरी
द्वि. छोटे उल्लंघन द्वि. गुरुकृष्ण जीवा द्वि
द्वि। उसके द्वि शुभिकालीन लोगों के द्वि
उत्तर उत्तर।

द्वार्धित अमृता द्वि जल्दी

मौजिया भूमि द्वि था। अपार्वती वही
'चाले', लोगों की, कुप्र-चालन द्वि द्वि,
कुप्र-चाले। लोगों की द्वि द्वितीय द्वि मूलभूत
हुविधाओं की क्षमित द्वि था। अक्षयते
समाज की आने वाले नेतृत्व द्वि ला
की द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि द्वि

अनुवाद लोगों से कुछ विलास भी नहीं। ३८९
सापरी अहा प्रश्न हो - अपने इह क्यों
(समाज के प्राप्ति) के लिए ४१, ४२,
उत्तर हैला। उ-४१ (५५) भी हर दृष्टि
संबंधि के रूप में लिखा। २२ विषय के
जैसे में घातनाक झेली गयी तो वे लोगों
अद्वितीय के प्रभव अद्वितीय दोषपति ने ३१
अपार्थिक नहीं के समाप्त हुए।

स्थानान्तर में दूसरा लाइटिंग
शाहरी ही लोगों के कुछ विलास नहीं
लोकतंत्र के दृष्टिकोण के लिए अंग-संग-
स्थ- भी ने ४२ (५५) भी हर दृष्टि - वह
१५ वर्षों तक नज़रें रखी। अपने लिए
वे शुद्धि के लिए भी उससे नहीं लाभ मिला।
अपरीक्षण और विश्व- से दूसरा लाइटिंग
का उत्तरी छोर २०१० ने संभिल
दूसरा लोकतंत्र के दृष्टिकोण के नहीं
भी दूसरे लोकतंत्र के दृष्टिकोण के नहीं।

ਕਤੀਸਾਗਰ ਦੇ ਜਲੋਂ ਕਿ
ਪਾਣੀ ਦੇ ਤ੍ਰਯੰਗ 8 ਵਹੁ ਅਤੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ
ਪਿਤਾ ਦੇ ਹੁਕੂਮ ਦੀ ਕਈ ਧਾਰ ਤਾਂ ਰਹੇਂ
ਸਾਂ ਤੋਂ ਮਿਲੇ ਵਾਲੇ। ਪੇਂਥਾਨ ਦੀ ਪੱਤੇਲਾ
ਪਾ। ਪੇਂਥਾਨ ਸ਼ਰਧਾ ਕਾਲੀਆਂ ਦੀ ਬਾਬੀ ਰੂਪਾਂ
ਤਥਾ ਚਰਛਰੀ ਬਾਣੀ ਦੀ ਛੁਫਲੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ
ਉਂ ਗਈ ਜਦੀ ~~ਪੰਜਾਬ~~ ਦੀ ਸੌ-ਭੁਟੀ ਜੇ
ਆਖੀ ਵਿਖੀ ਪੱਥਰ ਹੋਵੇ ਗਈ। ਕਿਰ ਤੇਜ਼ੀ
ਵਿਖੀ ਦੀ ਲੁਲਾਹ ਦੀ ਹੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ
ਉਂ ਕੋਂ ਰੁਹਾਵ ਦੇ ਪਿਲੀਆਂ ਬੜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ
ਫੁੱਲੀਆਂ ਜਾਂ ਨਿਵਾਰਿਕਾਰੀ ਦੀ ਹੀ ਹੁਕੂਮ
ਸਾਂ ਤਾਂ ਤਾਂ ਪੇਂਥਾਨ ਚੁਕ ਹੋ ਗਏ। ਤੇਜ਼ੀ ਜਾਂਦੀ
ਤੇਜ਼ੀ ਤੀਕੀ ਹੈ ਜਦੀ ਹੈ ਆਖੀ ਜਨਨੀ
ਹੀ ਹੈ ਰੁਹਾਵ ਹੈ, ਜੇ ਹੈ ਹੁਕੂਮ ਹੈ
ਵਿਖੀ ਹੈ। ਵਿਡਲਾ ਕੇ ਅਨੌਹੋ ਹੁਕੂਮ ਕੇ ਬੜਾ ਵਾਹਿ,
ਕਨਾ ਹੀ ਹੋਵਾ।

ਅਥ ਹੁਕੂਮ ਦਾ ਪਾਸੇ ਹੁਕੂਮ
ਪਾ ਆਖਿਦ ਹੁਕੂਮ ਦੇ ਹੁਕੂਮ ਹੈ
ਤੇਜ਼ੀ ਤੇਜ਼ੀ ਹੀ ਹੈ ਦੇਵਤ ਆਂਦੇ
ਕੁਤਰ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਤ੍ਰਯੰਗ ਦੀ ਹੁਕੂਮ।
ਹੁਕੂਮ ਅਥਵਾ ਪੱਤੇਲ ਦੀ ਸਾਡੀਆਂ
ਖੁਲ੍ਹਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਦੀ ਪੱਥਰ ਦੀ ਤ੍ਰਯੰਗ।

એ પણ ઉને જીવે રા કરણ હું
યિત્તા ઔર અટકી રહી હેતુ મળા ગફવ
અનેચાર વિદ્ધા કૃતી વાસ્તવો કુ
લિય રે કર ગયા છે—

'સૌલુદારો નાનીની અધ્યાત્મ્ય ।'

મહાદ્વારા ચાર્ચી દાખિણ અસ્ક્રીષ્ટ હૈ
જે ગાવત લોઈ ને ઉંઘોને હેવા કી
માનતેથી સુવિનંત્ર દાંચાબ રા નેતૃત્વ ઔર
જીવિદે જાતીયારી કુલ જાંગું લોગો તરુણ
શુદ્ધિ રા / વિકાસો ગ્રાહી સરકારો, એ
આધ્યાત્મિક એ. એટી જીવી અર્પી રા નાનીની
ને કી કી દ્વારા બી કુલ લોગો કે હું
ની શરૂ રા કી અંગીની જાણ અયારો
કુલ પરો કી અંગીની આધ્યાત્મ્ય અનુભૂતિ હું
કુલ કી કુલા-કુલ સૌલુદાર ની પ્રાણ રા

જે મહાદ્વારા ચાર્ચી કુ શાખી કુલાં હું
અનુભૂતિ - શાખો કી સુવિનંત્ર દાંચાબ હું
શાખીન હું કી / કુલાં, બોંગો - હું

इस वास्तविकता के अनुभवी उठाना है
किंचित् बाहर को प्रणाली है। इसी
समझ के द्वारा मैं यह चुनौती-हल के
समाधि उठाना।

गांधीजी के समय के दौरे में
मा क्या हुआ? इसके लिये 3-4 वर्ष लाये,
अद्वितीय, अद्वितीय, अद्वितीय, मानिय
अपना जैविक पंडीत वा प्रयोगशिला
तथा आपने लिखा है 'नेप्पाल'।
नेपाल ए अपने गांधीजी
के अद्वितीय प्रतिशेष के 30/12/21
दृष्टि के आद्वितीय लिखने के लिए
ही लिए। लिखने के लिये 20-25 लिखा
के लिये, लिखा, लिखा लिखा 3
लिखा लिखा लिखा। इसलिए जब
की चुनौती उठायी की बात होती है
महात्मा गांधी। वा नाय अपने प्रति
लिपा लिपा है। लिखा के प्रयोग है
ए 3-4 लिखा। लिखा लिखा है।

हिन्दा एवं रेल, असां

मेरे हाई क्रॉस एवं पांच त्रिता
एवं तीन बड़े गाँधीजी, शिवाय और
पुरुषों द्वारा संघर्ष संतान है।

गाँधी जी के लक्षणों

सपाने ~~द्वारा~~ द्वारा अपनी जीवन
शैली धारा एवं ~~संभव~~

"संसार कुँवों से आता है,
कुँव द्वारा उत्तर नहीं है,
कुँवों द्वारा निकलना नहीं है॥

अब इनके सामने इस प्रश्न
है कि या कुँव द्वारा निकलना
क्षम है या निकलना नहीं है?
क्षम है तथा यह तीन बड़े
पुरुष गाँधी, शिवाय और पुरुषों
द्वारा अपनी जीवन शैली है।
यह अवधिकारी भारत एवं

समाज इति,
 समाज संस्करण,
 समाज वाच,
 समाज उन्नत
 समाज अविद्या
 समाज व्यापार
 समाज धर्मति
 समाज समाजिक

१११५ तुलसी ले लिखा

न तुलसी लिखा लिखा वे
 श्रीपदांगो दो दो दिया बहुत आव
 भी पार्वती दृष्टि देवी देवी देवी
 धर्म दो दो दो दो दो दो दो दो दो

३८ दृष्टि दृष्टि

दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
 दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
 दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि
 दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि दृष्टि

ਦੁਜੇ ਹੋਰੀ ਕੇ, 2114 ਹੋਰੀ ਕੇ
ਭੇਟੀ ਅਤੇ ਰਾਮਾਂ ਹੋਰੀ ਕੇ।

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇ ਪਾਲ
ਕਾਰੀ ਮੁਖ ਵੱਡੀ ਪਾਲ ਜੜੀ
ਉੱਥੇ ਲਿਖ ਰਹੇ 'ਤੇ', ਜੇ ਕੂਚ ਲੋਹੀ
ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਸੰਗ ਲੋਹੀ -

52/100

ਇਹ ਸਿਖਿਆ ਵਾਲੀ

ਇਹ ਸਿਖਿਆ ਵਾਲੀ

ਇਹ ਸਿਖਿਆ ਵਾਲੀ

lot of exemplification → but no thesis
precede → arguments
but 'good point is that
all examples meet
the demand
of every

(82) उन्हें दाता पैदे कुरा है जो नियम वा अधिकार
आंदोलन में हाथी है।

अक्षय नामक उन्हें रुप पढ़ा-लिखा दिया गया।
वह सोशल फ्रिडमों का एक भाष्यकारी लड़का था।
जो उपर्योग आवश्यकी थी उसे बता द्या। उसके
पासकर कई असरी चोंभी भी रही थीं और
ज्ञान और विश्वासी विद्यारियों की जालियाँ थीं।
उसकी दो जो इलाज नहीं कर सकते थे
अनुपलव वे ही थे जो नहीं रुप के लिए उपलब्ध
हैं वह दबावों की, दाता की उचार की
जी दूर करते थे।

रुप ने अनुपलव के सोशल
फ्रिडमों पर ध्यान देती हुई बोला है,
जहाँ अनुपलवों के लिए और दो जीवों
विद्यारियों के लिए दबावों की अवलोकि
हुई है और जिनके आपको जो अपने को लिए
की ही दृष्टि है तो! साक्षात् नहीं!
कुराक्षय है!

इस गीत की दृष्टियाँ अनुपलव की
अपनी दो जी दबावों के बीच जी जीकी
दो जी दाता की दबावों की दबावों की
जी दाता नियंत्रण की दबावों की दबावों की।

ਤੇ ਕੋ ਦੀ ਕੁ ਲੋਕ ਸਾਡੇ ਕੁ
ਕਾਰ ਪੜ੍ਹਿਆ, ਨੈਂਤਰ ਅਤੇ ਦੀ ਦੀ ਰਥ
ਕੇ ਪਾਂਡੀ ਦਾ ਕੁ ਕੁਝ ਆਵੇ ਪੀਂਘ
ਹੀ ਅਤੇ ਅਗਲਾ ਚੌਥਾ ਕੁਝ ਕੁਝ
ਗਲੀ ਗਲੀ ਕੁਝ ਨੂੰ ਪਟਾ ਕਲਾ

37 वे प्रथम अंक एवं तीसरा

~~प्राचीन वार्षिक विद्यालय के नियमों का अधिकारी~~

અરજુન એ કદમ્બી કા

યોગે હું જીવિત
કોઈત હૈ / પણ હું જીવિત જીવિત કરે
જીવિત હૈ હું જીવિત રહ્યો હૈ

જીવિત હૈ હું જીવિત રહ્યો હૈ

જીવિત હૈ હું જીવિત રહ્યો હૈ

पर्याप्त गुण से ३६१८५०१ अन्तर

५ दृष्टि, प्रेसिडन्सी, गोपनीय,
गोपनीय, गोपनीय, १९८३/१९८४/३४-
१९८४/३४ दृष्टि प्रेसिडन्सी गोपनीय

ફલકા પણ્ણા ૩૬૧૬૮૦૨, હૈ અમિતાભ
સુપ ની ટ્રેન જાતી છે। ઇસ પણ કૃષ્ણ
સ્પાન ની પુલ્પ ન્યૂની અધ્યાત્મ
અધ્યાત્મ પ્રદોષન હલે એકાડ છતા ની કૃ
શ્વરી ન્યૂની હી લોન્ગ પણ લોન્ગ
ની એકાડ ડાંફિન બ્રોડ ની કૃ
અસ્ટ્રી ઓફિશ્નો હી અચ્છા માન લેતી છે।
ફલકી વિશે રાખ રા હું તે હાજર
ની જાતી બિરા / કોઈ બ્રોડ ના પ્લાન
નિસ કાંઠ પ્લાન હી હાજર હી કોઈ કાંઠ
હું આ ગાળત અદ લોકે રેફ જાણા
ની

ફલકા કુદરા ૩૬૧૬૮૦૨, સ્પાન ની
સુપ ની ટ્રેન વી એ નિવાર હી રાખ
સ્પાન ની લોન્ગ ની કુદરે સ્પાન ની
લોન્ગ ની પ્રતી, ગાળત આંસ માન્ય
દ્વારાની હી રાખ રાયા, ક્રિએ. હોન્ટ
આંસ એકત મારા જાત હી ફલકા
અન્નાદ હી ગાળત રાય, ક્રિએ, દ્વારાની
સ્પાન ની સુપ ની ટ્રેન વી

रघुनाथ द्वारा लिखा गया अधिकारी का नाम
कलमा जूता है। इसे बजाए पातें हैं
रघुनाथ द्वारा लिखा गया उपनिषद्
द्वारा लिखा गया उपनिषद् जो एक समय से लिखा गया है।
it is since time immemorial

इसका लिखा जाना चाहिए गलत
मुख्याओं के आवारण यह उत्तरार्थ
भूमिका रखने के प्रयास किया जाता है।
जैसे श्रीमद् भगवान्, भगवान् द्वारा, गलत
मुख्याओं अथवा कई व्यक्ति लिखा गया है।
इस बाबतों - व्यक्ति के लिए यह उत्तरार्थ
उत्तरार्थ रखते हैं।

✓ इसका लिखा जाना चाहिए, उत्तरार्थ
में नहीं लिखा जाना चाहिए नहीं क्योंकि यह
अपने अपने लिए भी यह उत्तरार्थ
रखते हैं। यह लिखा जाना चाहिए उत्तरार्थ
की कठीन अवलम्बन रखते हैं।
सुनी लेणे अपने लिए यह उत्तरार्थ
मिथुन उत्तरार्थ लिए जाना चाहिए।

==

31 541 % A 9132 22 5415

मेरी लिंग व्यवस्था में इनकी विवरणों का अध्ययन करने की ज़ि

આ સુધીની બેચી કે આ વાત,
એવી પ્રયત્ન, એવી ઉપાયી, એવી પાદ્ધતિ
થાણી એ જાણવાની વિધી કરતી હૈ, અની
ફોર્માલ પ્રિન્ટ આંગ રકમ કરી હૈ.

~~SHRI MATHUR V-167) 270~~

ଶ୍ରୀ ପାତ୍ର କଣ୍ଠ ପାତ୍ର 2016 ୩୦୮୧୫୮୫୮୮୮

ପ୍ରକାଶ କରିବାର ପାଇଁ ଏହାର ପରିମାଣ କିମ୍ବା ଏହାର
ପରିମାଣ କିମ୍ବା ଏହାର ପରିମାଣ କିମ୍ବା ଏହାର
ପରିମାଣ କିମ୍ବା ଏହାର ପରିମାଣ କିମ୍ବା

ଲେଖିବା ମୋତ୍ତାଳ ହିନ୍ଦୁ ୫

~~3117~~ ~~3~~ ~~59~~ ~~35~~ ~~3117~~ ~~314915~~

•ਪ੍ਰਤਿ ਪ੍ਰਤਿ ਵਾਲੀ ਸੰਸਾਰ ਦੀ ਜੀਵਨ ਵਿਧੀ

ପାଇଁ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

કુલ કુલ બે હજુ ૧૩૦૮૯ હજુ કુલ કુલ

સાલત કરું હોઈ ઓર અનુભાવે કૃતી વિદ્યા

દ્વારા કુલિયા પણ જતા હતું
કુલિયા ઉદ્દેશ્ય પ્રસાર અને આપુની આધુનિક
ગતિ રૂપ રીત

પાદર હૃદય સાધારણ કાર્ય કુ
લિયા આધુનિક, અનુભૂતિ હૈ ઉપયોગવાના

ઉપયોગવાના કુલિયા પ્રસાર કરી શકતીઓ

સર્વ આધુનિક, અનુભૂતિ કુલિયા કરી શકતીઓ

~~સાધારણ~~ ~~અનુભૂતિ~~ ~~કરી શકતીઓ~~

જીવિત કુલિયા કરી શકતીઓ

કુલિયા - કુલિયા એ પરિયર સુધીની રૂપ,
બિધ્યાધી એ પ્રીતિકરી નાના આધુનિક

ઉપયોગવાના કુલિયા અનુભૂતિ કરી શકતીઓ

ખુલ્લા કુલિયા એ પ્રીતિકરી કરી શકતીઓ

દ્વારા વીજીબાટ - કુલિયા એ કરી શકતીઓ

હુમા એ વિનિયોગ કુલિયા કરી શકતીઓ

બીજી એ પ્રીતિપૂર્ણ કુલિયા કરી શકતીઓ

પ્રીતિપૂર્ણ કુલિયા એ પ્રીતિપૂર્ણ કરી શકતીઓ

સાધારણ વાતે કુલિયા એ પ્રીતિપૂર્ણ કરી શકતીઓ

એવું કે બાળરીકાણ ને જીવન
ત્યારી કુદાલ આપો હૈ જીવન
જી ત્યારી કે કાંઈ નિ. વિના એ
દોષ કર્યા. આજીવા દાઢા એ કરતું
બન્ધી રીતે આજીવાની ઉચ્ચા કે લિખ
કરીએ કે સનદ્ધાનનીકાં બનાવો જાતું
તારીખ અનુસારી એવી એ કાણ
ત્યારી ત્યારીની કોઈ

3751 ते पांडित हुय बुरा
दे नियम विभिन्न विभिन्नों के
केंद्र हुआ है। इनमें जल्दी नियम
होते हैं ते अपने 3741 से लिखते
हुए हैं। तथा वे नियम होते हैं
जो एवं नियमहरा हो तरह लिखते हैं।
आठवें के विभिन्न विभिन्न हैं
भारत एवं 159 एवं 847
कृष्ण विभाग है।

ਮਿਤੀ ਵਾਲੇ ਅਧਿਕ ਸਾਡੇ ਹਨ। ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਮਿਤੀ ਵਾਲੇ ਹਨ। ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਮਿਤੀ ਵਾਲੇ ਹਨ।

वर्षते हैं।

उस वर्षीय पाठ्यक्रम का ही
तथा इस पर जाति भाषाओं/लोकालों से
निपत्ति देखा जाए लगा है। इसका कानून
प्रधान कृष्णन लोकालों के लिए अधिक
~~भाषाएँ~~ जाए, ~~जिसके बारे में~~
~~हुआ है।~~

—
इसी विषय के लिए —

— तथा ~~विषय~~ नहीं है,
विद्यालय को विद्यालय है,
तक आज जाति विभाग है,
अधिकारी और अफवाह विभाग है,
जहाँ हर विद्यार्थी जो भवित्व कर सकता है
वहाँ की ~~विभाग~~ है विभाग है।

Second half is
better first half
needs improvement

44/100

(Q3) जीवा उसे जहां है, जहांत वहा तक उसे
जीवन्त अपेक्षित है।

कृदित नीलों के विपर द्वं जीवन
संघर्ष, कुःख, उसे और अनेक एक्सर
की सम्पदाओं से भरा है। हमें इन
सम्पदाओं के 'आपहों में अपार' के लिये
जीवा खाली, बिकरी द्वारा जीवन सुख
की शुराहाल ही पड़ता।

जीवन के छ प्राचीन, आधिक
उद्धार के द्वापरी यात्रियों, आधिक
शापान्ति, अग्नेश्वर, ग्रामीण, आर
कालिक द्वापर्यायों आती रहती है। की
प्रति इन सम्पदाओं के लिये के
जाथ सद्वल के ~~सद्वल~~ तथा ~~सद्वल~~
लेटा है वे क्षमता की नीति

कृदित जाता है।

लोहा जब आता है,

तपकते होते हाथ सहने के
बाद भी अंग शीर्ष रहता है, तो
(आंगशीर्ष)

असी उपर्यांता असे दूषण वडे गाता थे
मनुष्य नी जब हताहा दे बिट
परिष्कारि दे दूका १६. तो ३३८८
परिष्कारे असे लिखा आहे.

नेहार दृश्या छ २७

वर्षी नक उले दे दूका आहे।
पातारे दे दे। फिर मी दे दे
नंदी, बिंदी दृश्या इच्छाकरी कृतुंको
कृ शेवा नाच अखवीत लोगी ते
लिक समानता छ अधिकार पाने
दे दृश्या वाची।

अ. एप्रैल तारीख २५ एप्रैल
१९८१, जप्तक A नं १६ दृश्याकार
कृ शेवी-योगी दे दे शेवी
ले। दृश्या दृश्याकार कृ शेवी ते
वडे शेवी ले कृ शेवी आहे असे
एप्रैल दे दे दृश्या दृश्याकार दृश्या
(प्रजानीम दे दे जाता दृश्या)

प्र० बाट बोलाएँ भौमिका ३१५५४
पर लाख होती है। तेजी से अपने जीवन
में अनेक उपर्युक्त, असाध्य और
उपर्युक्त कौशल विद्या लाना ही।
उपर्युक्त अपने आप में, तेजी
अधिकार दिलाया, तेजी सम्पादन दिलाया।
अचि इसना कृति वा बोलाएँ
आज जीवन है।

इसी प्रकार, निम्नीको
कुछ अचि लग दी गयता है,
यह इसके द्वारा निर्मित
भास्यर देता है, किं उसी आदा है
यहां है। इस प्रकार उपर्युक्त
उपर्युक्त द्वारा दी गयी
निम्नीको द्वारा दी गयी
निम्नीको द्वारा दी गयी
निम्नीको द्वारा दी गयी
निम्नीको द्वारा दी गयी।

इसी तरह प्रत्येक द्वारा
इस प्रमेया की दी गयी कौशल विद्या
अपर्युक्त की दी गयी कौशल विद्या।

કૃત ઉપયોગી જ્ઞાનિત સભાની નામી વાતા છે।

સભાના કુલિયા વિભાગીની રીતે

કૃતિ, કાબુ, ભાવારી, ઉપયોગી રીતે

જીસના ફડતા રીતે। મહાલ્યો ગાંધી રીતે જાણ

ફીલ્ડમેરિલ્ડાળી રીતેનાન પર કેને રીતે વાદો

કૃતિ રીતો ગયા હોઈ રહે અધ્યાત્મ રીતે

કાંઈકત રીતે કૃત જોંથીની રીતે હાથીના

અધ્યક્ષા રીતે સાંખ્યાકાર રીતે કુલાંગાત રીતે

ત્રણ રીતો રીતે રીતે રીતે રીતે

B21

દાખિણ અંગીકા રીતે B2 રીતે રીતો

જ અદ્યાર્ય રીતે જી નિયતે જોંથીના

જ અદ્યાર્ય રીતે જી નિયતે જોંથીના

જ અદ્યાર્ય | જોંથીના રીતે જી અદ્યાર્ય રીતે

જ અદ્યાર્ય | જોંથીના રીતે જી અદ્યાર્ય | જી

જ અદ્યાર્ય | જી નિયતે જોંથીના રીતે

જ અદ્યાર્ય | જી નિયતે જોંથીના |

ਇਹ ਅਧੀਨੇ ਦੀ ਵਾਡੀ ਮਹਿਸੂਸ ਪੈਂਦੀ
ਰਾਖ ਕੇ ਚੁਲ੍ਹੇ ਜਲ ਸਾਡੇ ਕੇ? 1827
ਦੀ ਕਿਲੋਗ ਫੋਟੋ ਹਕਾਰੀ ਮਹਾ
ਤ ਅਤ ਕਿਆ ਗਿਆ / ਅਥੰ ਤੱਥੀ ਤੱਥੀ
ਮਾਨਸਿਕ ਸੋਚ ਕੁਝ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੀ ਵੀ ਵੀ
ਘਾਤਕ ਹੈ / 3-4 ਮਿਨੀ ਸਪਾਨ ਦੀ ਸਾਡੀਅਤੀ
ਕੇ ਪ੍ਰਤੀ ਜੁਲੈ ਜਿਵੇਂ ਅਧੂਰਾਵ ਕੇ
ਜ਼ਿਆਦ ਤੁਢੇ ਤ ਬਹੁਪਦੀ ਗਿਆ ਅਤੇ
ਤੁਹਾਂ ਪੱਧੀ ਤੋਂ ਕੇ ਹੋਏ ਕਿਂਚਿਤ
ਤੁਲਾਂ ਤੋਂ ਕੇ ਹੋਏ ਕਿਂਚਿਤ ਜ਼ਿਆਦਾ
ਹੈ ਅਤੇ ਕੁਝ ਸਾਡੇ ਹਿੱਤੇ

ਕਿਨ੍ਹੀ ਪ੍ਰਥੀਨ ਤੁਲੇ ਦੀ ਗਈ
ਫੋਟੋ ਬਹੁਪਦੀ ਦੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਅਤੇ ਗਈ ਹੈ,
ਜ਼ਿਆਦੀ ਤੌਰੀਤਿਆਂ ਪੜ੍ਹੇ ਵਰਗੀਆਂ ਹਨ
ਕਿਨ੍ਹੀ ਦੀ 3-4 ਮਿਨੀ ਸਪਾਨ ਦੀ ਅਭਾਸ
੩:੩੭ ਕੇ ਕਾਰੋਬ ਦੀ ਗਈ ਹੈ ਕੇ
ਖੁਦਾਵ ਕਿਥਾ / ਆਪਣੀ ਰਖਦਾ ਹੈ ਕੇ
ਹਾਨ ਕੇ ਰੇ ਪਾਵਾ A - ~~A~~

जीवन कुर्सों में अब है, कुर्सों पर
विवादण वा उपहोंच सही वा गलत
उपलेख करने के हैं। ये उपलेख
जीवन के प्रारम्भ तक तकनीकी तरीफ
उपलेख प्रारंभ एवं प्रतिबाहन की है—

सम्प्रदाय शिक्षा

सम्प्रदाय शिक्षण

सम्प्रदाय नाम

सम्प्रदाय उपलेख

सम्प्रदाय आवश्यकता

सम्प्रदाय विधि

सम्प्रदाय विधिता

सम्प्रदाय विधिवाली

कुछ तो इस उपलेख का जरूरी

87 प्रयोगशाला का तरीका है। इसका

प्रयोगशाला का उपलेख तथा उप-

का, कुर्सों, उपहोंच आदि विवादणों के लिए,
प्रयोगशाला का उपलेख की जरूरी
प्राप्त होता है। अती इसका का उपलेख
की जरूरत है। गतिशील, प्रवीकरणीय

ફબેરી કે લિસ્ટ એવેલાયે હોય નથી,
મહાંગાડી કે ફબેરી કે લિસ્ટ અન્ને
હું ફેફારું રાખ, કર, કર.

શીખા અતિધિયા, દિનદિવાણી કે દિવાણી
કે પ્રાચી વિષાણી | હું જારી માન્યાણો
કે કુઠ કે માન્યાણી હું કુલજાણી
ની કરતા હું |

કોંઠનું કરી જીવન કે અપારિદ્ધ
દેખા હું | એ તુંણ - કે હું આ વિષાણ
કે એ કે દુદ્દાણી હું |

શીધાયર	કે	ફેફારું
દિનદિવા	કે	જિવાણી
જિવાણી	કે	કુલજાણી

Again lot of exemption application

AG 1.00